Rajalakshmi Industrial Psychology

17/04/2020
TDC Part III

Definition, Problems and Scope of Industrial Psychology

औद्योगिक मनोविज्ञान (Industrial psychology) मनोविज्ञान की एक प्रयुक्त शाखा (applied branch) है। इस शाखा में मनोवैज्ञानिकों की रुचि वर्तमान शताब्दी अर्थात 20वीं शताब्दी के प्रारंभ में ही उत्पन्न हुई। 1930 के दशक में औद्योगिक मनोविज्ञान पूर्णरूप से एक स्वतंत्र शाखा के रुप में स्थापित हो गया। इस शाखा में औद्योगिक संस्थानों में उत्पन्न होने वाली मानवीय समस्याओं के अध्ययन, उससे संबंधित नियमों एवं सिद्धांतों का प्रतिपादन किया जाता है तथा औद्योगिक कार्यों से जुड़े व्यक्तियों या कर्मचारियों के विभिन्न पहलुओं जैसे अभिप्रेरण (motivation), मनोबल (morale), उत्पादकता (productivity), कार्य-संतुष्टि (job satisfaction) आदि का विशिष्ट अध्ययन किया जाता है।

औद्योगिक मनोविज्ञान की परिभाषा को मनोवैज्ञानिकों ने निम्नलिखित रुप में की है—

टिफिन तथा मैककॉर्मिक (Tiffin & McCormick, 1965) के अनुसार "औद्योगिक मनोविज्ञान जीवन के उन क्षेत्रों में मानव-व्यवहारों का अध्ययन करता है जिनका संबंध हमारी सभ्यता की सेवाओं एवं वस्तुओं के उत्पादन, वितरण एवं उपयोग से है।"

("Industrial psychology is concerned with the study of the human behaviour in those aspect of life that are related to the production, distribution and use of the goods and services of our civilization".)

ब्लम तथा नेलर (Blum & Naylor, 1984) के अनुसार "औद्योगिक मनोविज्ञान साधारणतः किसी व्यवसाय तथा

January 2012

02 Monday

(002 - 364) Wk 01

उद्योग के संदर्भ में मानवीय समस्याओं के प्रति मनोवैज्ञानिक तथ्यों एवं नियमों के उपयोग एवं प्रसार का अध्ययन करता है।"

("Industrial psychology is simply the application or extension of psychological facts and principles to the problems concerning human beings operating within the context of business and industry.")

शुल्ज एवं शुल्ज (Schultz & Schultz, 1990) के अनुसार "औद्योगिक मनोविज्ञान कार्यरत लोगों के अध्ययन में मनोविज्ञान की विधियों, तथ्य एवं नियमों का एक अनुप्रयोग है।"

("Industrial psychology is the application of the methods, facts and principles of psychology to people at work.")

उपर्युक्त परिभाषाओं से स्पष्ट है कि औद्योगिक मनोविज्ञान मानवीय समस्याओं अर्थात कर्मचारियों तथा श्रमिकों की समस्याओं, तथ्यों एवं सिद्धांतों की समीक्षा करता है तथा समाधान भी करता है।

औद्योगिक मनोविज्ञान का कार्यक्षेत्र (Scope of Industrial Psychology)

औद्योगिक मनोविज्ञान, मनोविज्ञान की एक ऐसी शाखा है जिसका कार्यक्षेत्र काफी व्यापक है। औद्योगिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा मुख्यतः निम्नलिखित कार्य किये जाते हैं तथा उन्हें ही औद्योगिक मनोविज्ञान का मूल कार्यक्षेत्र माना जा सकता है।

• Better be three hours soon than one minute late •

(i) कार्मिक चयन (Personnel selection) – औद्योगिक मनोविज्ञान में मनोवैज्ञानिक कर्मचारियों एवं व्यवस्थापकों (executives) का वैज्ञानिक चयन एवं स्थापन करते हैं।

(ii) कार्मिक विकास (Personnel development) – औद्योगिक मनोवैज्ञानिक निष्पादन मूल्यांकन (performance appraisal), मनोवृत्ति मापन (attitude measurement), कर्मचारी परामर्श (employee counselling) तथा व्यवस्था विकास (management development) जैसे कार्यों को भी सम्पन्न करते हैं।

(iii) मानव इंजीनियरिंग (Human engineering) – औद्योगिक मनोवैज्ञानिक, मशीन एवं उपकरणों की ऐसी डिजाइन करते हैं जिससे कर्मचारियों को काम में सुविधा हो तथा उन्हें निरसता एवं थकान का अनुभव न हो।

(iv) व्यवस्था (Management) – औद्योगिक मनोवैज्ञानिक, उद्योग एवं व्यवसाय से जुड़े कार्यों तथा कर्मचारियों एवं व्यवस्थापकों को प्रशिक्षण देने का कार्य भी सम्पन्न करते हैं।

(v) विविध कार्य (Miscellaneous work) – औद्योगिक मनोवैज्ञानिकों को दुर्घटना (accidents), श्रमिक संबंध (labour relations) आदि समस्याओं का भी उचित समाधान ढूँढना पड़ता है।

अमेरिकन मनोवैज्ञानिक संघ (American Psychological Association) ने औद्योगिक मनोविज्ञान के कार्यक्षेत्र में मुख्यतः निम्नलिखित सात पहलुओं (aspects) को अधिक महत्त्वपूर्ण माना है —

(i) चयन एवं परीक्षण कार्य (Selection and testing) – औद्योगि मनोविज्ञान में कर्मचारियों के वैज्ञानिक चयन की प्रक्रिय

February

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
•	•	•	1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	•	•	•

January 2012

Tuesday 03

(003 - 363) Wk 01

(i) कार्मिक चयन (Personnel selection) – औद्योगिक मनोविज्ञान में मनोवैज्ञानिक कर्मचारियों एवं व्यवस्थापकों (executives) का वैज्ञानिक चयन एवं स्थापना करते हैं।

(ii) कार्मिक विकास (Personnel development) – औद्योगिक मनोवैज्ञानिक निष्पादन मूल्यांकन (performance appraisal), मनोवृत्ति मापन (attitude measurement), कर्मचारी परामर्श (employee counselling) तथा व्यवस्था विकास (management development) जैसे कार्यों को भी सम्पन्न करते हैं।

(iii) मानव इंजीनियरिंग (Human engineering) – औद्योगिक मनोवैज्ञानिक मशीन एवं उपकरणों को ऐसा डिजाइन करते हैं जिससे कर्मचारियों को काम में रुचि बनी रहे तथा उन्हें निरसता एवं ऊब का अनुभव न हो।

(iv) व्यवस्था (Management) – औद्योगिक मनोवैज्ञानिक उद्योग एवं व्यवसाय से जुड़े कार्यों तथा कर्मचारियों एवं व्यवस्थापकों को प्रशिक्षण देने का कार्य भी सम्पन्न करते हैं।

(v) विविध कार्य (Miscellaneous work) – औद्योगिक मनोवैज्ञानिकों को दुर्घटना (accidents), श्रमिक संबंध (labour relations) आदि समस्याओं का भी उचित समाधान ढूँढना पड़ता है।

अमेरिकन मनोवैज्ञानिक संघ (American Psychological Association) ने औद्योगिक मनोविज्ञान के कार्यक्षेत्र में मुख्यतः निम्नलिखित सात पक्षुओं (aspects) को अधिक महत्वपूर्ण माना है —

(i) चयन एवं परीक्षण कार्य (Selection and testing) – औद्योगिक मनोविज्ञान में कर्मचारियों के वैज्ञानिक चयन की प्रक्रिया

• Better to be harmless, than helpful •

January 2012

04 Wednesday

(004 - 362) WK 01

मनोवैज्ञानिक परीक्षणों, जैसे बुद्धि परीक्षण, उपलब्धि परीक्षण, अभिक्षमता परीक्षण (aptitude test), अभिरुचि परीक्षण (interest test) आदि का निर्माण किया जाता है। परीक्षणों द्वारा कर्मचारियों का चयन, स्थापन एवं पदोन्नति आदि समस्याओं का समाधान किया जाता है।

(ii) व्यवस्था विकास (Management development) - इसके अन्तर्गत कर्मचारियों व्यवस्थापकों तथा पर्यवेक्षकों (supervisors) को प्रशिक्षण देना, उनके शैक्षिक विकास के लिए शिक्षण संस्थाओं का प्रबंध करना तथा कर्मचारियों के कार्यों का निरीक्षण करना सम्मिलित है।

(iii) परामर्श (Counselling) - इसके अर्न्तगत कर्मचारियों की कार्य से संबंधित समस्याओं, समायोजन-संबंधी समस्याओं का समाधान मनोवैज्ञानिक तरीकों से किया जाता है ताकि कर्मचारियों की कार्यकुशलता बनी रहे।

(iv) कर्मचारियों की प्रेरणा (Employee motivation) - औद्योगिक मनोविज्ञान में कर्मचारियों की प्रेरणा से संबंधित समस्याओं जैसे, आर्थिक प्रोत्साहन (financial incentive), गैर-आर्थिक प्रोत्साहन (non financial incentive) तथा सामाजिक प्रोत्साहन (social incentive) का अध्ययन कर यह निश्चित किया जाता है कि इन प्रोत्साहनों में सबसे प्रभावी प्रोत्साहन कौन सा है।

(v) मानव इंजीनियरिंग (Human engineering) - औद्योगिक मनोविज्ञान में मशीनों एवं उपकरणों (apparatus) के विशेष डिजाइन एवं उनके आकार-प्रकार-संबंधी तथ्यों का भी यथोचित अध्ययन करता है ताकि श्रमिकों तथा कर्मचारियों को कार्य करते समय कार्यकुशलता बनी रहे तथा संभावित दुर्घटना एवं नीरसता से उन्हें बचाया जा सके।

• Blessed are the meek; for they shall inherit the earth •

January 2012

Thursday 05

(vi) बाजार शोध (Marketing research) – औद्योगिक मनोविज्ञान में उद्योग तथा व्यवसाय में तैयार वस्तुओं को उचित दामों में विक्रय (sale) कराने तथा विज्ञापन को सफल बनाने पर, जिससे उचित मूल्यों पर बाजार में बेचकर पर्याप्त मुनाफा कम जा सके, इस पर भी अध्ययन करता है।

(vii) जन-संपर्क - शोध (Public-relation research) – औद्योगिक मनोविज्ञान में कर्मचारियों की सुरक्षा, हित एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, परीक्षण, दुर्घटना से पीड़ित कर्मचारियों एवं उसके परिवार की सहायता, कर्मचारियों के आपसी लड़ाई-झगड़ों का निपटारा, कर्मचारियों के लिए आवश्यकता पड़ने पर ऋण की व्यवस्था करना, कानूनी सलाह का प्रबंध करना, कर्मचारियों के जीवन स्तर पर होने वाले व्यय का अध्ययन करना, कार्य विश्लेषण, पारिश्रमिक दर आदि का अध्ययन करना सम्मिलित है।

Note: Scope में दो अलग-अलग points दिया है। एक में 5 points है तथा दूसरे में 7 points है। दोनों में से किसी एक को ले याद करना। दूसरा वाला 7 points American Psychological Association का classification है और पहला 5 point general classification है।

• Blessed are the merciful, for they shall obtain mercy •

January 2012

06 Friday

(006 - 360) Wk 01

औद्योगिक मनोविज्ञान की समस्याएँ
Problem of Industrial Psychology -

औद्योगिक मनोविज्ञान उद्योग तथा व्यवसाय से जुड़े व्यक्तियों की मानवीय समस्याओं का वैज्ञानिक अध्ययन करता है। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति में औद्योगिक मनोविज्ञान के समक्ष कुछ समस्याएँ भी उत्पन्न हो जाती हैं जिन्हें मुख्यतः तीन भागों में बांटा गया है -

① कर्मचारियों से संबंधित समस्याएँ
(Problem relating to workers)

② कार्य से संबंधित समस्याएँ
(Problem relating to work)

③ कर्मचारियों एवं व्यवस्थापकों से संबंधित समस्याएँ
(Problem relating to the relationship between employees and management)

① कर्मचारियों से संबंधित समस्याएँ - औद्योगिक मनोविज्ञान में कर्मचारीगण के हितों पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। कर्मचारी एवं श्रमिक अच्छे से अपना कार्य कर सके, उन्हें कैसे दुर्घटना से बचाया जा सके, उनमें नीरसता तथा श्रम की स्थिति उत्पन्न न हो या उसे कैसे कम किया जा सकता है, इस पर विशेष बल दिया जाता है। कर्मचारियों को कैसे प्रशिक्षण दिया जाए, उनका वैज्ञानिक चयन, स्थापन, पदोन्नति, कार्य अभिप्रेरण तथा अभिरुचियों को कैसे सुदृढ़ रखा जाए, आदि मुख्य समस्याएं हैं। इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों की वैयक्तिक भिन्नता से सम्बद्ध समस्याएं भी

उत्पन्न हो जाती हैं। सभी कर्मचारियों की बुद्धि, अभिक्षमता भिन्न-भिन्न होती है जिससे समायोजन की भी समस्या उत्पन्न हो जाती है जिसका प्रभाव कार्य वातावरण पर पड़ता है।

(2) कार्य से संबंधित समस्याएँ — औद्योगिक मनोविज्ञान की कुछ समस्याएं कार्य वातावरण तथा उसके स्वरूप की भी है। कुछ श्रमिकों का कार्य-वातावरण मानवीय दृष्टिकोण से उचित नहीं होता है जिसका प्रभाव उनकी शारीरिक क्षमता पर प्रतिकूल पड़ता है। कार्य-वातावरण में पर्याप्त रोशनी की समस्या, अनावश्यक आवाज को नियंत्रित करने की समस्या, तापक्रम में उतार-चढ़ाव की समस्या आदि प्रमुख हैं जिन पर औद्योगिक मनोवैज्ञानिक विशेष ध्यान देते हैं। वे कार्य-विश्लेषण (job analysis) तथा कार्य-डिजाइन (job design) से संबंधित पहलुओं का अध्ययन करते हैं। कार्य-विश्लेषण में वे कार्य के योग्य उपयुक्त योग्यता निर्धारित करते हैं। कार्य डिजाइन में कार्य को अधिक कुशलता के साथ कौन से वैज्ञानिक तरीके हो सकते हैं, उन समस्याओं को उजागर करते हैं।

(3) कर्मचारियों एवं व्यवस्थापकों से संबंधित समस्याएँ — 08 Sunday. औद्योगिक मनोविज्ञान में इन समस्याओं का भी अध्ययन किया जाता है जिसका मतलब कर्मचारियों एवं व्यवस्थापक के बीच के बीच के संबंधों से होता है। अक्सर यह पाया गया है कि व्यवस्थापक कर्मचारियों का शोषण कर अधिक से अधिक मुनाफा कमाना चाहते हैं जिसका प्रत्यक्ष रूप से कर्मचारीगण विरोध करते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि उद्योग एवं व्यवसाय में तनाव (tension), संघर्ष (conflict), तालाबंदी, समायोजन संबंधी अन्य दूसरे प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न हो जाती हैं। औद्योगिक मनोविज्ञान में औद्योगिक तनाव, संघर्ष आदि समस्याओं का अध्ययन किया जाता है।

Eve.

Charms strike the sight, but merit wins the soul •